एक फ्लैगशिप परफ्यूमरी की सैर

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

उसने मुझे पहले से तैयार करते हुए कहा कि हम इटली की इत्र-दुकानों के मंदिर में क़दम रखने वाले हैं। मालिक की दुकानें पूरे देश में बिखरी हुई थीं — उसका नाम था लिमोनी, पर उसमें नींबू जैसा कुछ भी नहीं था; वह ऐसा इंसान था जिसे बख़ूबी पता था कि कैसे चलना है, और जिसने अपना एक साम्राज्य खड़ा कर लिया था।

मैं पहले से ही जानता था कि वह कौन है, क्योंकि माँ जिलेट ने उसे उन प्रमुख ग्राहकों की सूची में डाल रखा था जिनसे हमें ख़ुद मिलने की इजाज़त नहीं थी — और अब मैं यहाँ था, किसी और का सूट पहने अंदर जा रहा था, यह जानने वाला कि "प्रमुख ग्राहक" का असल में मतलब क्या होता है, और उस जैसे लोगों से निपटने के लिए कैसी महारत चाहिए।

जैसे ही हम अंदर पहुँचे, प्रबंधक ने हमारा स्वागत किया: डॉ. प्रियोलो, आज आप यहाँ हैं, हम भाग्यशाली हैं, श्री लिमोनी अभी-अभी बोलोन्या के दफ़्तर से आए हैं और आपसे मिलना चाहेंगे।

वह अपने कमरे से बाहर आया और सीधे जॉर्जियो की ओर बढ़ते हुए उसे गर्मजोशी से गले लगा लिया। दोनों में बड़ी बेतकल्लुफ़ी थी, एक-दूसरे को नाम से पुकारने वाली।

वह उससे उन यात्राओं में से किसी एक पर मिला था जो कंपनी हर साल चार बार, एक रिवाज़ की तरह, अपने बेहतरीन ग्राहकों को दिया करती थी — और हर बार बारी-बारी से किसी न किसी सेल्स मैनेजर को साथ भेजा जाता था।

इससे ग्राहक के साथ एक तिहरा बंधन बनता था — वह महज़ रस निचोड़ने वाला नींबू नहीं रह जाता था, बल्कि एक ऐसी दुकान बन जाती थी जहाँ आपको हाज़िर होना पड़ता था, और ग्राहक के साथ एक निजी रिश्ता बन जाता था जो कारोबारी रिश्ते को मज़बूत

रखता और वफ़ादारी को हमेशा और बेहतर करता जाता था।

फिर हम कोरोल काउंटर की ओर बढ़े — ऐसा लगा जैसे उस कमरे में खड़े हों जिसे हर औरत अपने लिए चाहती।

तभी एक शालीन औरत अंदर आई और बोली: पात्रिज़िया, मुझे वे ब्लेड दे दो जो मेरे पति इस्तेमाल करते हैं — अगर मैं न ख़रीदूँ तो वह कभी नहीं ख़रीदेंगे, बस मेरे बिकलेडी रेज़र इस्तेमाल करते रहेंगे और अपने माक3 रीफ़िल ख़रीदना कभी याद ही नहीं रखेंगे।

मैंने जगह बदल ली थी, पर उपभोक्ता की हक़ीक़त बिलकुल वैसी की वैसी थी: औरतें अपने पतियों के लिए ब्लेड ख़रीदती हैं, और असल में यही इस श्रेणी को ज़िंदा रखता है — वरना तो प्रतिस्पर्धियों के लिए भी बिक्री जैसी कोई चीज़ न होती।

जब ऑर्डर का वक़्त आया, तो उसे हर रंग का कोड ज़बानी याद था, नंबरों समेत — यह देखने लायक था — और आख़िर में उसने बिना ज़रा भी आनाकानी के कुछ नए रंग जुड़वा लिए, बस "आपके ध्यान के लिए शुक्रिया" कहकर।

हम दुकान से बाहर निकले और मुझे एक नशा-सा छाया हुआ था — मैंने ऐसी चीज़ें देखी थीं जिनके होने के बारे में मुझे किसी ने कभी नहीं बताया था। हम जिलेट वाले सोचते थे कि हम सबसे बड़े हैं, सबसे मज़बूत, एक ऐसे नारे वाले अभियान के साथ जो कहता था "जो सबसे बेहतर एक मर्द को मिल सकता है", और आज तक किसी को एक बात समझ नहीं आई: जिलेट मैन को सिर्फ़ औरतों में से सबसे बेहतर।

फर्दिनांदो

आर्काइव | फर्दिनांदो फ्रेगा — नांदो, लेखक | © 2026 Gillettenarrative.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।